पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

वर्ष 2015–16 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए ''सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन'' तथा कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है। संस्थान के पदाधिकारियों की जानकारी के लिए प्रतिदिन एक अंग्रेजी शब्द का हिंदी पर्याय एल्कोसाइन राइटिंग बोर्ड पर लिखा जाता है।

वर्ष 2015–2016 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- संस्थान की अर्धवार्षिक पत्रिका ''जल चेतना'' का जुलाई–2015 अंक प्रकाशित किया गया।

- नराकास हरिद्वार के सदस्य संगठनों के लिए आयोजित ''पत्र–परिपत्र एवं टिप्पणी लेखन'' प्रतियोगिता में संस्थान के 05 कर्मचारियों ने भाग लिया।

- 06 अगस्त, 2015 को बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में नराकास की 20वीं अर्धवार्षिक बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह में श्री अशोक कुमार, वरि. प्रशा. अधिकारी, श्री पी.के. उनियाल, श्री पवन कुमार एवं श्री दौलत राम ने प्रतिभागिता की।

- 15 अगस्त, 2015 को संस्थान के 10 कर्मचारियों को वर्ष 2014–15 के लिए ''मूल टिप्पण, आलेखन प्रोत्साहन योजना'' के तहत पुरस्कृत किया गया।

- संस्थान में दिनांक 17 अगस्त से 16 सितंबर, 2015 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को हिंदी दिवस समारोह में पुरस्कृत भी किया गया।

- संस्थान की वार्षिक पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का 22वां अंक प्रकाशित किया गया जिसका विमोचन 14 सितम्बर, 2015 को हिंदी मास समापन समारोह में किया गया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 61वीं, 62वीं तथा 63वीं बैठकें क्रमशः 30 सितंबर 2015, 31 दिसंबर 2015 एवं 22 मार्च, 2016 को निदेशक राजसं की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- संस्थान में दिनांक 03 जून 2015 को ''राजभाषा सुग्राहीकरण'' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें 32 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

- तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का जनवरी–2016 अंक प्रकाशित किया गया।

- संस्थान में दिनांक 19–20 नवम्बर 2015 को ''बदलते परिवेश में जल संसाधन प्रबंधन की भूमिका'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला हिंदी में आयोजित की गई जिसमें देश के कोने–कोने से आए वैज्ञानिकों/इंजीनियरों/शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं ने कुल 44 शोध पत्र 8 तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत किए। संगोष्ठी की सम्पूर्ण कार्यवाही हिंदी में संचालित की गई।

- नराकास के सदस्य संगठनों के लिए दिनांक 10 फरवरी, 2016 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में श्री अशोक कुमार वरि. प्रशा. अधिकारी, श्री प्रदीप कुमार उनियाल, श्री पवन कुमार व श्री दौलत राम को नामित किया गया।

- नराकास द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2016 को THDC Ltd ऋषिकेश में आयोजित 21वीं अर्धवार्षिक बैठक में डॉ. ए.के. लोहनी, वैज्ञानिक–जी, डॉ. रमा मेहता, श्री पी. के. उनियाल एवं श्री पवन कुमार, ने प्रतिभागिता की।

- संस्थान द्वारा दिनांक 02 फरवरी 2016 को "जल एवं जल संरक्षण" विषय पर शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल सिंकदरपुर भैंसवाल, भगवानपुर (उत्तराखंड) में ग्रामीण महिलाओं एवं स्कूली बच्चों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसकी सम्पूर्ण कार्यवाही हिंदी में संचालित की गई। इस कार्यशाला में 70 महिलाओं तथा 45 स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

- संस्थान की वर्ष 2014–15 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी संस्करण अंग्रेजी संस्करण के साथ–साथ प्रकाशित किया गया।